(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि उक्त लक्ष्य को बाद में कम करके 40,000 कर दिया गया था;

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में लक्ष्य क्या है; और

(घ) चालू वर्ष के दौरान ग्रामीण क्षेत्र में लगाए जाने वाले सार्वजनिक टेलीफोनों की संख्या कितनी है?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कबीन्द्र पुरकायस्थ): (क) से (ग) — 80,500 ग्रामीण सार्वजनिक टेलीफोनों के लक्ष्य पर अस्थाई तौर पर विचार किया गया था। उपस्करों स्टोर आदि की गुणवत्ता और उपलब्धता की समीक्षा करने के बाद अंतिम रूप से 45000 ग्रामीण सार्वजनिक टेलीफोनों का लक्ष्य निर्धारित किया गया।

(घ) चालू वर्ष (1998-99) के दौरान 30,000 ग्रामीण सार्वजनिक टेलीफोन प्रदान किए जाने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में सौर ऊर्जा आधारित एंटीना

2202. **श्री मनोहर कान्त ध्यानी**: क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश के पर्वतीय जनपदों में शुरू की गई सौर-ऊर्जा आधारित एंटीना व्यवस्था पूर्णतः असफल रही;

(ख) यदि हां, तो क्षेत्र के टेलीफोन उपभोक्ताओं की इस समस्या को हल करने के लिए सरकार द्वारा कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं; और

(ग) क्षेत्र की टेलीफोन व्यवस्था में कब तक सुधार कर लिया जाएगा?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कबीन्द्र पुरकायस्थ): (क) जी नहीं। पहाड़ी क्षेत्रों में लगभग 2100 एम ए आर आर कनेक्शन कार्य कर रहे हैं और इनमें औसतन 8.4% टेलीफोन खराब हैं।

(ख) टेलीफोनों के कार्य निष्पादन में सुधार लाने के लिए निम्नानुसार कार्यवाही की गईः—

(i) कुछ दोषमुक्त प्रणालियों को सर्किल में उपलब्ध अतिरिक्त यूनिटों से बदला जा रहा है।

(ii) कुछ खराब पड़ी यूनिटों को मरम्मत के लिए विनिर्माताओं को भेजा गया है।

(ग) लगभग 4 से 6 महीनों में।

पौड़ी गढ़वाल (उत्तर प्रदेश) में सतपुली दूरभाष केन्द्र

2203. **श्री मनोहर कान्त ध्यानी**: क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश के पर्वतीय जिलों में टेलीफोन सेवा बहुत कम है तथा जहां कहीं भी यह है वहां यह कारगर नहीं है;

(ख) क्या यह सच है कि पौड़ी गढ़वाल जिले में सतपुली दूरभाष केन्द्र के अंतर्गत वाड़यूं स्थित पी०सी०ओ० पिछले चार वर्षों से खराब है; और

(ग) यदि हां, तो इसे कब तक ठीक कर दिया जाएगा?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कबीन्द्र पुरकायस्थ): (क) उत्तर प्रदेश के 11 पर्वतीय जिलों में 253 टेलीफोन एक्सचेंज हैं जिनकी संयुक्त क्षमता लगभग 137,000 लाइनें तथा 3902 ग्रामीण सार्वजनिक टेलीफोन सहित 1,22,000 से अधिक टेलीफोन कनेक्शन हैं। सामान्यता उक्त स्थानों की सेवाएं संतोषजनक हैं। तथापि ग्रामीण सार्वजनिक टेलीफोनों के निष्पादन में सुधार की आवश्यकता है जिसके प्रयास किए जा रहे हैं।

(ख) और (ग) नवम्बर, 97 में वाड़यूं में सार्वजनिक पी०सी०ओ० की ओवर हैड लाइनों के अत्यधिक क्षतिग्रस्त होने के कारण उसमें खराबी आ गई थी। इसे आगामी 2-3 माह में पुनः चालू कर दिए जाने की आशा है।

Non-Working of Telephones in Villages of Pauri Garhwal (UP)

2204. SHRIMATI MALTI SHARMA:
SHRI RAJ NATH SINGH:

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that a number of telephones are not working properly for the last one year in the villages of Pauri District, Pauri Garhwal;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether Government have issued any guidelines to the officials for quick and eficient service be provided to the